भारत सरकार

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या-*315

सोमवार, 15 जुलाई, 2019/24 आषाढ़, 1941 (शक)

आईटीआई परीक्षाएं

*315. श्रीमती अन्नपुर्णा देवीः

श्री सदाशिव किसान लोखंडेः

क्या कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) परीक्षाओं में ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों की संख्या बढ़ रही है और ग्रामीण प्रतिभा तेजी से सामने आ रही है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में आईटीआई में रुचि बढ़ाने के लिए और ग्रामीण क्षेत्रों में छिपी हुई प्रतिभाओं को सामने लाने के लिए उठाए गए विभिन्न कदम क्या हैं; और

(घ) उठाए गए उक्त कदमों के क्या परिणाम रहे ?

उत्तर

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री

(डॉ. महेन्द्र नाथ पाण्डेय)

(क) से (घ) इस संबंध में एक विवरण सदन के पटल पर रखा गया है।

माननीय सांसदों श्रीमती अन्नपुर्णा देवी तथा श्री सदाशिव किसान लोखंडे द्वारा 15.07.2019 को 'आईटीआई परीक्षाएं' से संबंधित लोकसभा में पूछे गए तारांकित प्रश्न संख्या *315 के भाग (क) से (घ) के उत्तर से संदर्भित विवरण

(क) से (घ) जी हां, ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित आईटीआइज में नामांकित छात्रों की संख्या लगातार बढ़ रही है। 2014 से 2018 तक ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित आईटीआइज में नामांकित प्रशिक्षणार्थियों की संख्या नीचे उल्लिखित हैः

क्र.सं.	वर्ष	ग्रामीण क्षेत्रों में आईटीआइज में दाखिल प्रशिक्षणार्थी
1.	2014	683611
2.	2015	761663
3.	2016	838998
4.	2017	843379
5.	2018	1000799

सरकार ने आईओटी - स्मार्ट कृषि, स्मार्टफोन तकनीशियन, ड्रोन पॉयलट, मृदा परीक्षण तथा फसल तकनीशियन सहित ग्रामीण क्षेत्रों की आजीविका के लिए उपयुक्त नए व्यवसायों की शुरुआत की है। ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को परामर्श तथा प्रोत्साहन से आईटीआइज में दाखिले हेतु प्रेरित किया जाता है।

सरकार ने छिपी हुई प्रतिभाओं को उभारने हेतु ग्रामीण क्षेत्रों में आईटीआइज में रुचि बढ़ाने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए हैं।

1. ग्रामीण युवाओं को अधिक महत्वाकांक्षी बनाने के लिए राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद (एससीवीटी) के तहत आईटीआइज में परिचालित व्यवसायों/यूनिटों का राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीटी) में रुपांतरण।
2. असेवित ब्लॉकों में आईटीआइज की स्थापना को बढ़ावा देने और प्रोत्साहित करने हेतु, भूमि की आवश्यकता पर प्रतिबंध संबंधित मानकों में छूट दी गई है। ग्रामीण क्षेत्रों सहित असेवित ब्लॉक में नए आईटीआइज कम से कम एक दीर्घकालिक व्यवसाय तथा एक अल्पकालिक पाठ्यक्रम के साथ खोले जा सकते हैं।
3. व्यवसाय में सुगमताः सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों सहित मारुति, टाटा आदि जैसे विश्वसनीय भागादारों को नए आईटीआइज खोलने के लिए, व्यवसाय/यूनिटों के विस्तार हेतु 2.5 ग्रेड तथा इससे अधिक ग्रेडिंग वाले मौजूदा आईटीआइज को डीम्ड की अनुमति दी जाएगी।

उपरोक्त पहलों के परिणामस्वरूप ग्रामीण क्षेत्रों सहित देशभर के आईटीआइज में सीटों की संख्या तथा नामांकन में वृद्धि हुई है।

*****